

दिनांक आज्ञा या
कार्यवाही

आज्ञा विस्तृत रूप से

7/10/22

पत्रावली पेश हुई। वादी की ओर से अधिवक्ता श्री गोपाल शर्मा हाजिर। प्रतिवादी संख्या 2, 3, 5, 7 लगा 12, 14, 16 लगा 19 के बावजूद सम्यक तामील उपस्थित नहीं होने पर इनके विरुद्ध एकपक्षीय कार्यवाही पूर्व में अमल में लायी जा चुकी है। प्रतिवादी संख्या 1, 4, 6, 13, 15 द्वारा सम्यक अवसर के बाद भी जबाब प्रस्तुत नहीं करने पर पूर्व में जबाब बंद किया जा चुका है।

पत्रावली वास्ते तनकीयात नियत है। वादी ने जो वाद-पत्र प्रस्तुत किया है, उसमें किली भी प्रतिवादी द्वारा

फर्द अहकाम

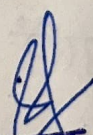
बनाम अफिस

1954

सहायक कलेक्टर
नाम न्यायालय नयपुर बाहर प्रजम

केस संख्या (10) 3912022

क्रम संख्या	दिनांक आज्ञा या कार्यवाही	आज्ञा विस्तृत रूप से
	87/11-124	<p>काउन्टर अथवा प्रतिवाद पेश नहीं किया गया है। इसलिए प्रतिवाद के अभिकथन के अभाव में, विवाद्यक नहीं होने से आदेश-15, सिविल प्रक्रिया संहिता - 1908 के तहत वाद-पत्र का अवलोकन किया गया। वाद-पत्र के साथ सैलमन दस्तावेजात के गहनतापूर्वक अवलोकन से हम पाते हैं कि वादीगण, दावा-दायरी के दिन, सहखातेदार/खातेदार के रूप में दर्ज रिकॉर्ड नहीं है। वादी ने वाद के चरण संख्या - (2) में उल्लेखित किया है कि विवादग्रस्त</p>


सहायक कलेक्टर
नयपुर बाहर प्रजम

10
7/24

कृषि भूमि की खातेदारी वर्तमान
में उनके पूर्वज पिताजी के
नाम दर्ज रिकॉर्ड है। इसलिए
वाद-पत्र से ही स्पष्ट है कि
वादीगण सह काश्तकार नहीं हैं।

चूंकि वादी ने यह वाद
बाबत तकासमा एवं स्थायी
निषेधाज्ञा पेश किया है।

धारा - 53, अन्तर्गत राजस्थान
काश्तकारी अधिनियम के तहत
एक खातेदार / सहखातेदार के
द्वारा ही जीत के विभाजन
के लिए दावा प्रस्तुत किया
जा सकता है। वादी ने
स्वयं यह कथन किया है

कि उक्त विवादग्रस्त कृषि भूमि
की खातेदारी वर्तमान में

फर्द अहकाम

बनाम अजोस

देशीय

सहायक कलक्टर
नाम न्यायालय
नयपुर बाहर प्रखण्ड
केस संख्या

G.P.O. 39/2022

आज्ञा विस्तृत रूप से

क्रम संख्या

दिनांक आज्ञा या
कार्यवाही

07/10/24

उनके पूर्वजों के नाम अंकित है, विरासत का नामान्तरण अक्की वादीगण के नाम से नहीं खुला है। इस प्रकार वादीगण जब तक खातेदार / सहखातेदार अधिकारों को घोषित ना करवा लें अथवा जब तक राजस्व रिकॉर्ड में उनका नाम अंकित नहीं हो, तब तक धारा-53, राज. काश्तकारी अधिनियम के तहत विभाजन का दावा प्रस्तुत करने का वाद-करण उत्पन्न नहीं हो सकता है।

अतः इसी स्तर पर न्यायालय अपनी अन्तर्निहित शक्तियों का प्रयोग करते हुए, एवं धारा -53 राज. काश्तकारी

सहायक कलक्टर
नयपुर बाहर प्रखण्ड

फर्द अहकाम

8

न्यायालय

सहायक कलक्टर नयपुर प्रथम


काउमल

बनाम

कजौड

मुकदमा संख्या / वर्ष

: 21/39/2022 / 20

क्र. सं.	दिनांक आज्ञा या कार्यवाही	आज्ञा विस्तृत रूप से	विशेष विवरण
		<p>के तहत पौषणीय नहीं होने के कारण वादी का वाद-पत्र खारिज किया जाता है।</p> <p>निर्णय आज दिनांक 10/24 को सुनाया गया। पत्रावली फौजल शुमार होकर दाखिल दफ्तर हो।</p> <p style="text-align: center;">  सहायक कलक्टर नयपुर बाहर प्रथम </p>	